

प्रेषक,

डॉ. भूपिन्दर कौर औलख,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अल्पसंख्यक कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

अल्पसंख्यक कल्याण अनुभाग

देहरादून : दिनांक : 23 अगस्त, 2016

विषय: प्रदेश में गरीबी की रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के परिवारों की मेधावी बालिकाओं की शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु "मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना" के क्रियान्वयन के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या 183/XVII-3/2016-07(37)/2013 दिनांक 15.02.2016 का संदर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा प्रदेश में गरीबी की रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के परिवारों की मेधावी बालिकाओं की शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु "मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना" को क्रियान्वित किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान करते हुए, योजना का क्रियान्वयन वित्तीय वर्ष /शैक्षणिक वर्ष 2015-16 से किए जाने हेतु मार्गदर्शक निर्देश निर्गत किए गये हैं।

2- इस संबंध में सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त योजना के सुगमतापूर्वक एवं सुचारु क्रियान्वयन हेतु उपरोक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 15.02.2016 के निम्नांकित तालिका के स्तम्भ-2 पर अंकित प्रस्तारों को स्तम्भ-3 पर अंकित संशोधित प्रस्तारों से प्रतिस्थापित किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

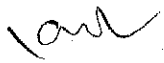
क्र. सं.	गाइडलाइन संबंधी शासनादेश दिनांक 15.02.2016 की वर्तमान व्यवस्था	प्रतिस्थापित व्यवस्था
1	2	3
1	प्रस्तर-3.2 - छात्रा के माता-पिता/ अभिभावक गरीबी की रेखा के नीचे की श्रेणी में आते हो अथवा उनकी समस्त स्रोतों से वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में ₹ 81,000/- (₹ इक्यासी हजार मात्र) तथा शहरी क्षेत्र में ₹ 1,03,000/- (₹ एक लाख तीन हजार मात्र) से कम हो। अग्रेतर यह भी कि उक्त आय सीमा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलायी गयी छात्रवृत्ति योजना के अनुरूप होगी।	प्रस्तर-3.2 - छात्रा के माता-पिता/ अभिभावक गरीबी की रेखा के नीचे की श्रेणी में आते हो अथवा उनकी समस्त स्रोतों से वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में ₹ 81,000/- (₹ इक्यासी हजार मात्र) तथा शहरी क्षेत्र में ₹ 1,03,000/- (₹ एक लाख तीन हजार मात्र) से कम हो।

क्रमशः...

2	प्रस्तर-3.3 - आय प्रमाण पत्र राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारी, जिसका स्तर तहसीलदार से कम न हो, के द्वारा प्रदत्त ही मान्य होगा, जिसे आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जायेगा।	प्रस्तर-3.2 - आय प्रमाण पत्र राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारी, जिसका स्तर तहसीलदार से कम न हो, के द्वारा प्रदत्त ही मान्य होगा, जिसे छात्रा द्वारा योजनान्तर्गत पात्र/अर्ह पाए जाने के उपरान्त यथाप्रकिया मांगे जाने पर प्रस्तुत किया जाएगा।
2	प्रस्तर-3.7 - योजना का लाभ मेरिट सूची के आधार पर दिया जायेगा अर्थात् प्राप्त आवेदनपत्रों में से पात्रता की श्रेणी के अन्तर्गत आने वाली छात्राओं की प्रवीणता सूची (मेरिट सूची) तैयार की जायेगी। योजना का लाभ उपलब्ध बजट धनराशि के सापेक्ष उसी वित्तीय वर्ष में दिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। अवशेष आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।	प्रस्तर-3.7 - योजना का लाभ मेरिट सूची के आधार पर दिया जायेगा। योजना का लाभ उपलब्ध बजट धनराशि के सापेक्ष उसी वित्तीय वर्ष में दिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
3	प्रस्तर-3.8 - पुरस्कार हेतु मेधावी छात्राओं का चयन प्रवीणता सूची के अनुसार आवेदन पत्र प्राप्त होने के आधार पर "पहले आओ-पहले पाओ" नीति से उपलब्ध बजट की सीमा के अन्तर्गत किया जायेगा।	प्रस्तर-3.8 - पुरस्कार हेतु मेधावी छात्राओं का चयन संबंधित परीक्षा बोर्ड की प्रवीणता सूची के अनुसार उपलब्ध बजट की सीमा के अन्तर्गत किया जायेगा।
4	प्रस्तर-5 - हाईस्कूल परीक्षा/मुंशी/मौलवी एवं इण्टरमीडिएट आलिम परीक्षा में 60 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक से उत्तीर्ण बालिकाओं के आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर आमंत्रित किये जायेंगे। राज्य स्तर तथा जनपद स्तर पर विज्ञापनों का प्रकाशन प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई तक प्रदेश में प्रकाशित होने वाले दो प्रमुख हिन्दी समाचार पत्रों के माध्यम से किया जायेगा। आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की जायेगी। जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा पात्र बालिकाओं का चयन तथा चयनित सूची का प्रकाशन 30 सितम्बर तक कर लिया जायेगा तथा भुगतान की प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक पूर्ण कर ली जायेगी।	प्रस्तर-5 - जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा बोर्ड की मेरिट सूची के आधार पर पात्र/चयनित बालिकाओं की संस्तुति के उपरान्त भुगतान की प्रक्रिया दिनांक 31 अगस्त तक पूर्ण कर ली जायेगी।

<p>5 प्रस्तर-7 - उक्त योजनान्तर्गत समस्त आवेदन पत्रों का संग्रहण संबंधित खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय पर किया जायेगा। आवेदन पत्र जनप्रतिनिधियों एवं अन्य माध्यमों से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय/जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालयों में सीधे नहीं भेजे जायेंगे। यदि कोई आवेदन पत्र डाक से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय/जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को प्राप्त होता है, तो उसे विलम्बतम एक सप्ताह के भीतर संबंधित खण्ड विकास अधिकारी को प्रेषित कर दिया जायेगा। खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में आवेदन पत्रों को पंजीकृत किये जाने हेतु एक रजिस्टर रखा जायेगा एवं आवेदन प्राप्त होने पर आवेदन पत्र को रजिस्टर में क्रमबद्ध रूप से पंजीकृत करते हुए प्राप्ति का दिनांक व समय भी अंकित किया जायेगा तथा उक्त पंजीकरण संख्या को आवेदन पत्र पर भी अंकित किया जायेगा। खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय द्वारा सत्यापन के बाद ही समस्त आवेदन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय/जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराये जायेंगे।</p>	<p>प्रस्तर-7 - निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उत्तराखण्ड द्वारा सचिव, उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद, रामनगर एवं निदेशक, उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद, देहरादून से राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय प्रवीणता सूची समयबद्ध रूप से संकलित कर दिनांक 31 जुलाई से पूर्व जिला स्तर पर गठित समिति के सदस्य सचिव को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे एवं सदस्य सचिव द्वारा इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही सम्पादित की जाएगी।</p>
--	--

3- उक्त शासनादेश दिनांक 15.02.2016 को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाएगा तथा शेष सभी मार्गदर्शक निर्देश यथावत लागू रहेंगे।



भवदीय,

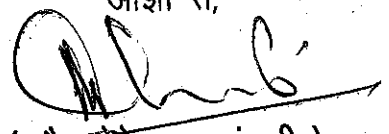
(डॉ. भूपिन्दर कौर औलख)
सचिव।

क्रमशः...

संख्या : 1158 (1)/XVI(3)/2016 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल, नैनीताल/पौड़ी।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिला अल्पसंख्यक/समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(मौ. अब्दुल्ला अंसारी)
अनु सचिव।